मत्स्याकृतिधर जयदॆवॆश
वॆदविभॊदक कूर्मस्वरूप।
मन्दरगिरिधर सूकररूप
भूमिविधारक जय दॆवॆश॥ १ ॥
◌ंअत्स्यवतर, खूर्मवतर, अराहवतार
कान्चनलॊचन नरहरिरूप
दुष्टहिरण्यक भन्जन जय भॊ।
जय जय वामन बलिविध्वंसिन
दुष्टकुलान्तक भार्गवरूप। २।
ण्रुसिम्हवतर, अमनावतार, फरशुरमवतार
जयविश्रवस: सुतविध्वंसिन
जय कंसारॆ यदुकुलतिलक ।
जयवृन्दावनचर दॆवॆश
दॆवकिनन्दन नन्दकुमार ॥ ३ ॥
अमावतार, ख्रिश्नावतर
जयगॊवर्धनधर वत्सारॆ
धॆनुकभन्जन जय कम्सारॆ ।
रुक्मिणिनायक जय गॊविन्द
सत्यावल्लभ पान्डव बन्धॊ ॥ ४ ॥
ख्रिश्नावतर
खगवरवाहन जयपीठारॆ जय

www.yousigma.com

मुरभन्जन पार्थसखॊत्वम ।
भ्ॐअविनाशक दुर्जनहारिन
सज्जनपालक जयदॆवॆश ॥ ५ ॥
 ख्रिश्नावतर
शुभगुणगणपूरित विश्वॆश
जय पुरुषॊत्तम नित्यविबॊध ।
भूमिभरांतक कारणरूप
जय खरभन्जन दॆववरॆण्य ॥ ६ ॥
-ख्रिश्नावतर
विधिभवमुखसुर सततसुवन्दित
सच्चरणाम्बुज कन्जसुनॆत्र ।
सकलसुरासुरनिग्रहकारिन
पूतनिमारण जयदॆवॆश ॥ ७ ॥
 ख्रिश्नावतर
यद्भ्रूविभ्रम मात्रात्तदिदं
आकमलासन शम्भुविपाद्यम ।
सृष्ठिस्थितिलयमृच्चतिसर्वम
स्थिरचरवल्लभसत्त्वम जयभॊ।८।
- ख्रिश्नावतर
जय यमलार्जुनभंजनमूर्तॆ
जय गॊपीकुचकुंकुमांकितांग ।

www.yousigma.com

पांचाली परिपालन जय भॊ
जय गॊपीजनरंजन जय भॊ ॥ ९ ॥
- ख्रिश्नावतर
जय रासॊत्सवरत लक्ष्मीश
सतत सुखार्णव जय कन्जाक्ष ।
जय जननीकर पाशसुबद्ध
हरणान्नवनीतस्य सुरॆश ॥ १० ॥
ख्रिश्नावतर
बालकईडनपर जय भॊ त्वम
मुनिवरवन्दितपाद पद्मॆश ।
कालियफणिफण मर्दन जय भॊ
द्विजपत्न्यर्पित मत्सिविभॊन्नम॥११॥
ख्रिश्नावतर
क्षीराम्बुधिकृतनिलयन दॆव
वरद महाबल जय जयकान्त ।
दुर्जन मॊहक बुद्धस्वरूप
सज्जन बॊधक कल्किस्वरूप ॥ १२ ॥
- भुद्दावतर, खल्क्यावतर
जय युगकृत दुर्जन विध्वम्सिन
जय जय जय भॊ जय विश्वात्मन । १३ ।
इति मन्त्रम पठन्नॊव कुर्यान्नीराजनम बुध: ।

www.yousigma.com

घटिकाद्वयशिष्टायाम स्नानम कुर्याद्यथाविधि । १४ ।
अन्यथा नरकम याति यावदिन्द्राश्चतुर्दश ।
इति श्री कार्तीक दामोदर स्तोत्रम सम्पूर्णम ॥ १५ ॥
इति श्री पन्चरात्रागमे हम्सब्रह्म सम्वादे
श्री कार्तीक दामोदर स्तोत्रम सम्पूर्णम। १६ ।

www.yousigma.com